सतीश पूनिया दो दिन जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर रहेंगे

जयपुर, 22 अक्टूबर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया 23 और 24 अक्टूबर को जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर के दो दिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

सतीश पूनिया मारवाड़ के दो दिवसीय प्रवास पर मारवाड़ क्षेत्र के दिवंगत नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के यहां शोक संवेदना व्यक्त करने जाएंगे तथा रामदेवरा में रामदेव महाराज और जैसलमेर में तनोट माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे। इस दौरान सतीश पूनिया नवजात कन्याओं के, सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाने का शुभारंभ करेंगे, इसके अलावा वे वृक्षारोपण इत्यादि सामाजिक सरोकारों के कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे।

- **वे रामदेवरा तथा तनोट माता के दर्शन करेंगे व सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाने का शुभारम्भ करेंगे।**

डॉ. पूनिया 23 अक्टूबर को प्रातः जोधपुर एयरपोर्ट पहुँचेंगे, जिसके बाद वे, ओसियां, लोहावट, फलौदी, रामदेवरा व कश्मीर (शिव) जाएंगे, फिर बाड़मेर के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

डॉ. पूनिया बाड़मेर राजकीय चिकित्सालय में नवजात कन्याओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोलने का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद वे बी.एस.एफ. के सहयोग में गडरा रोड में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद श्री भगवान गौशाला जाएंगे और शाम को तनोट माता मंदिर की आरती में शामिल होंगे।

पिछले वर्ष भी सतीश पूनिया ने 24 अक्टूबर को बांसवाड़ा जिले के त्रिपुरा सुंदरी माताजी मंदिर से सुकन्या समृद्धि योजना के तहत नौ कन्याओं के खाते खुलवाने का शुभारंभ किया था, जो पूरे प्रदेश में एक बड़ा सामाजिक अभियान बना, जिसमें प्रदेशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं ने 60 हजार से अधिक कन्याओं के सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाए थे।

झारखंड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वाकांक्षी रुख अपनाया हुआ है।

इण्डिया ब्लॉक पार्टियाँ यदि एक सर्वमान्य सीट शेयरिंग फॉर्मूला को अंतिम रुप देने में असफल रहीं तो स्वाभाविक रुप से इसका लाभ भाजपा को होगा। जिसकी राज्य में जड़ें काफी गहरी हैं। चम्पई सोरेन के जाने के बाद झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आंतरिक संकट से जूझ रहा है और पर्यवेक्षक मानते हैं कि हेमंत सोरेन का "सिम्पैथी फैक्टर" ही पार्टी को जीत दिलाने में सक्षम नहीं होगा। सिर्फ इसी के भरोसे पार्टी बहुमत आंकड़े तक नहीं पहुँच सकती है, खासकर सहयोगियों के असहयोगी रवैये के कारण। सीटों के बंटवारे पर इण्डिया गठबंधन में वार्ता चल रही है। पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता आशन्वित नहीं लग रहे हैं।

जैसलमेर में कृत्रिम गर्भाधान से गोडावण के बच्चा हुआ

ऐसा करने वाला भारत विश्व में पहला देश, लुप्त होती दुर्लभ प्रजाति को बचाने की आस जगी

जैसलमर, 22 अक्टूबर (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशल इनसेमिनेशन) से गोडावण के बच्चा पैदा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश है। अब इस प्रक्रिया से लुप्त होने जा रही इस दुर्लभ प्रजाति को बचाया जा सकेगा।

प्रभागीय वन अधिकारी (डी.एफ.ओ.) आशीष व्यास ने बताया कि पहली बार गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान की पर इस तरह के परीक्षण के प्रयास शुरू किए। रामदेवरा गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में स्थित सुदा नामक मेल गोडावण को कृत्रिम मेटिंग के लिए ट्रेनिंग दी। उसके स्पर्म इकट्ठे करके सुदासरी स्थित ब्रीडिंग सेंटर ले जाया गया। बीस सितंबर को टोनी नामक मादा गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया।

टोनी ने 24 सितंबर को अंडा दिया। अंडे की देखभाल की गई। आखिरकार वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत का नतीजा निकला और 16 अक्टूबर को अंडे से

- **रामदेवरा ब्रीडिंग सेन्टर में सुदा नामक मेल गोदावण के स्पर्म इकट्ठे किये गये। स्पर्म सुदासरी ब्रीडिंग सेन्टर ले जाकर 20 सितम्बर को टोनी नामक मादा गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान कराया गया। टोनी ने 24 सितम्बर को अंडा दिया, 16 अक्टूबर को गोडावण का चूज़ा बाहर आया। एक हफ्ते आर्ब्ज़वेशन में रख कर मेडिकल टेस्ट किये गये, चूज़ा स्वस्थ है।**

जैसलमेर जिले के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सैंटर में आर्टिफिशल इनसैमिनेशन पद्धति से गोडावण चूज़े का जन्म हुआ।

मदद से प्रजनन करवाकर पैदा किया गया है। अब गोडावण का स्पर्म बैंक बनाने और उसकी जनसंख्या बढ़ाने में मदद मिल सकेगी।

व्यास ने बताया कि 'इंटरनेशनल फंड फॉर हुबारा कंजर्वेशन फाउंडेशन, अबू धाबी' में तिलोर पक्षी पर इस तरह का परीक्षण किया गया और वो सफल रहा। भारत के वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक भी पिछले साल वहां गए और इस तकनीक को सीखा। इसके बाद गोडावण गोडावण का चूज़ा बाहर आया। करीब एक हफ्ते तक चूज़े को ऑब्ज़र्वेशन में रखा गया और उसके सभी मेडिकल टेस्ट किए गए, अब चूज़ा स्वस्थ है।

व्यास ने बताया कि गोडावण में आर्टिफिशल इनसैमिनेशन (ए.आई.) का यह पहला परीक्षण है। कहा जा रहा है कि बड़ा होने के बाद इस चूज़े का नाम ए.आई. रखा जा सकता है।

डेजर्ट नेशनल पार्क जैसलमेर और बाड़मेर जिलों की तीन हजार 162 किमी भूमि पर स्थित पार्क का लगभग 44 फीसदी हिस्सा रेत के टीलों के रूप में है। जैसलमेर जिले के म्याजलार सहित, अन्य गांव डेजर्ट नेशनल पार्क क्षेत्र में होने की वजह से वहां के रहवासियों को मूलभूत सुविधा देने में प्रशासन को अड़चन आ रही है

व्यास ने बताया कि जैसलमेर में वर्तमान में गोडावण की संख्या 173 है, जिनमें से 128 गोडावण तो फील्ड में घूम रहे हैं। वहीं 45 गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में हैं।

जैसलमेर का डेजर्ट नेशनल पार्क गोडावण का सबसे संरक्षित इलाका माना जाता है। यहां पर 70 के करीब एन्क्लोज़र हैं, जिसके कारण यहां पर गोडावण के प्रजनन की अनुकूल स्थितियां बनी हुई हैं। पार्क में बनाए गए हैचरी सेंटर में अंडों को वैज्ञानिक तरीके से सेते हैं।

द्रव्यवती नदी रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के लिए टाटा को भुगतान देने पर फैसला सुरक्षित

जयपुर, 22 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड-एस.यू.सी.जी. कंपनी को दृव्यवती नदी को पुनर्जीवित करने और आधारभूत ढांचा बनाने के संबंध में 52 करोड़ के शेष भुगतान की राशि नहीं देने के मामले में सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रखा है। न्यायाधीश सुदेश बंसल की एकल पीठ ने जे.डी.ए. की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में जे.डी.ए. की ओर से अधिवक्ता

- **हाईकोर्ट ने जे.डी.ए. की याचिका पर इस 1400 करोड़ रुपये के टैंडर में से शेष 52 करोड़ रुपये के विवाद पर फैसला सुरक्षित रखा।**
- **जे.डी.ए. इस प्रोजैक्ट के लिए टाटा कम्पनी को 1365 करोड़ रु. का भुगतान पहले ही कर चुका है।**

अनुरूप सिंघी पैरवी के लिये पेश हुए थे, वहीं टाटा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और अधिवक्ता शिवांशु नवल पैरवी के लिये पेश हुए थे।

मामले के तथ्यों के अनुसार, जे.डी.ए., दृव्यवती नदी को पुनर्जीवित करने के लिये किये गये टैंडर में टाटा को 1365 करोड़ का भुगतान पहले ही कर चुका है, परंतु 52 करोड़ रुपये का भुगतान इसलिये रोका गया है क्योंकि जे.डी.ए. का आरोप है कि टाटा ने 47.5 किलोमीटर लंबी नदी के तीन हिस्सों में तल को समतल कर पक्का बनाने का काम नहीं किया। हालांकि जब यह मामला आर्बिट्रेशन में गया था तो टाटा के पक्ष में ही अवॉर्ड आया था। इसके बाद जे.डी.ए. ने आर्बिट्रेशन अवॉर्ड को कमर्शियल कोर्ट में चुनौती दी थी। कमर्शियल कोर्ट ने जे.डी.ए. को अवॉर्ड के आधार पर 52 करोड़ की 50 प्रतिशत की राशि को जमा करने के आदेश दिये थे। इसके खिलाफ जे.डी.ए. ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी।

उपभोक्ता आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उसने आई.सी.आई.सी.आई. बैंक से मेडिकल बीमा लिया था। उसके हृदय रोग होने के चलते इलाज पर लाखों रुपए खर्च हुए।

जब बैंक ने बीमा राशि देने से इनकार किया तो परिवादी ने वर्ष 2012 में आयोग के समक्ष परिवाद पेश किया, जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने 1 फरवरी, 2012 को बैंक को आदेश देते हुए परिवादी को 9.50 लाख रुपए नौ फीसदी ब्याज सहित अदा करने को कहा। इसके साथ ही आयोग ने बैंक पर दस हजार रुपए का हर्जाना भी लगाया।

इस आदेश के खिलाफ बैंक ने राज्य आयोग में अपील की, जिसे आयोग ने 17 अप्रैल, 2015 को खारिज कर दिया। वहीं, बाद में राष्ट्रीय आयोग ने भी मई, 2018 में बैंक की अपील को निरस्त कर दिया। इसके बावजूद, अब तक आदेश की पालना नहीं हुई। प्रार्थना पत्र में गुहार की गई कि बैंक की संपत्ति को नीलाम कर परिवादी को भुगतान दिलाया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने बैंक की संपत्ति को कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

वन विभाग की लापरवाही से सज्जनगढ़ पार्क से मादा पैंथर पिंजरा तोड़ भागी

मादा पैंथर सोमवार को लखावली में पिंजरे में कैद हुई थी, रात 8.30 बजे उसे सज्जनगढ़ लाया गया

उदयपुर, 22 अक्टूबर (कासं)। शहर और ग्रामीण इलाकों में पैंथर के खौफ के बीच मंगलवार को वन विभाग की लापरवाही का हैरान करने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक मादा पैंथर पिंजरा तोड़कर भाग गई। यह मादा पैंथर सोमवार को बेदला के समीप लखावली क्षेत्र में लगाए गए वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गयी थी, जिसे वन विभाग की टीम रात 8:30 बजे सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लेकर पहुंची थी।

मादा पैंथर के भागने की जानकारी वन विभाग के कर्मचारियों को सुबह 8 बजे मिली। इसके बाद पूरे विभाग में हड़कंप मच गया। विभाग ने पैंथर को पकड़ने के लिए कई टीमें लगा दी हैं।

लखावली से लाई गई मादा पैंथर को उसी पिंजरे में रखा था, जिसमें वह आयी थी, पैंथर परेशान न हो, इसलिए पिंजरे पर कपड़ा डालकर उसे चारों ओर से ढ़क दिया गया था। रात को पैंथर ने पिंजरे की जाली

- **वन विभाग की लापरवाही तब सामने आईं जब पैंथर के रात में भाग निकलने की सूचना कर्मचारियों को सुबह 8 बजे मिली।**

पर पड़े कपड़े को खींच कर जाली ऊंची की और जगह बनाकर पिंजरे से निकलकर बायोलॉजिकल पार्क से भाग गयी। सुबह जब स्टाफ पिंजरे के पास पहुंचा तो पैंथर के भाग जाने का पता चला। सज्जनगढ़ अभयारण्य क्षेत्र में जगह-जगह वन विभाग की टीमें इस मादा पैंथर की तलाश कर रही हैं।

सज्जनगढ़ की पहाड़ी और बायो पार्क में दिन भर तलाश जारी रही, लेकिन पैंथर का पता नहीं चला है। खतरे को देखते हुए, सज्जनगढ़ पर पर्यटकों की आवाजाही रोक दी गई है। हालांकि प्रत्येक मंगलवार को बायो पार्क पर्यटकों के लिए बंद रहता है, पर वहां काम करने वाले मजदूरों को भी अब सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है।

जहां पर यह मादा पैंथर पिंजरे में कैद हुई थी, उस जगह से करीब 15 किमी दूर 18 अक्टूबर को एक पैंथर को गोली मारी गई थी। आशंका जताई जा रही थी कि 10 लोगों का शिकार करने वाला पैंथर वही था, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

एक पेंथर को शूट करने के बाद भी यहां सर्च टीमें तैनात हैं। इस समय मदार में 5 और राठौड़ों का गुड़ा में 13 पिंजरे सहित उस इलाके में कुल 18 पिंजरे लगा रखे हैं। अब ज्यादा टीमों की भीड़ के बजाय, छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर सर्च की जा रही है। मदार, बड़ी पंचायत, सज्जनगढ़ सेंचुरी और बड़ी तालाब के पास स्थित है। पैंथर इन तालाबों में प्यास बुझाने आते रहते हैं। इसलिए इनका मूवमेंट आसपास के इलाकों में भी रहता है।

यू.ए.ई. ने राजस्थान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक कदम आगे बढ़कर 'संयुक्त अरब अमीरात सरकार' द्वारा सरकारी फंड से प्रदेश में निवेश के लिए यह महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. किया गया है। इसके तहत राज्य में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। केन्द्र सरकार ने देश में 500 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान को 250 गीगावॉट के सोलर प्लांट लगाने होंगे। यू.ए.ई. के साथ यह साझेदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यू.ए.ई. के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है। यू.ए.ई., भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में यू.ए.ई. दूसरे पायदान पर है। यू.ए.ई. के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी ने कहा कि नवीकरणीय संसाधनों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की ओर इस बदलाव में यू.ए.ई. महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियां ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के लिए सर्वथा उपयुक्त हैं।

मुलाकात के दौरान, शर्मा ने आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक जयपुर में आयोजित होने जा रहे "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" में सुवैदी को आमंत्रित किया। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के बिश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित, विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

लॉरेंस विश्नोई के एनकाउन्टर करने पर एक करोड़ देगी करणी सेना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। एन.सी.पी. नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को जान से मारने की धमकी के बाद से ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई लगातार सुर्खियों में है। अब करणी सेना ने लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को ईनाम देने की घोषणा की है। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राज शेखावत ने 1 करोड़ 11 लाख 11 हज़ार 1 सौ 11 रुपये देने का ऐलान किया है। बता दें कि राजस्थान में पिछले साल करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई थी, इस मामले में भी लॉरेंस बिश्नोई का नाम आया था। राज शेखावत ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा है कि लॉरेंस बिश्नोई को मारने वाले किसी भी पुलिस अधिकारी को 1,11,11,111 रुपये का इनाम देंगे। इस वीडियो में वे आगे कहते हैं कि जो भी पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा, उसको यह इनाम की राशि दी जाएगी।

शिवसेना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हटाना पड़ता है।"

कांग्रेस पर खुला कटाक्ष करते हुये, राउत ने कहा, "कांग्रेस एक राष्ट्रीय दल है। यह पार्टी भाजपा से भी बड़ी है। ...... उनकी हाई कमान दिल्ली में है, उनकी बातचीत चल रही है। महाराष्ट्र के सभी नेता हमारे मित्र हैं।" लेकिन, उन्होंने अपने मित्र दल कांग्रेस को विशिष्ट परामर्श देने से बचते हुये कहा, "मैं उन्हें क्या मार्गदर्शन दे सकता हूँ? उनका मार्गदर्शन करने वाले बहुत से लोग हैं।"

दो सौ अठासी सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिये मतदान 20 नवम्बर को, तथा मतगणना 23 नवम्बर को होनी है।

सेबी चीफ माधबी पुरी बुच को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस प्रकरण की समीक्षा में, सरकार को कोई पैसों का कोई अवैध लेन-देन नहीं पाया गया, तथा इस बात की पुष्टि की गई कि बुच ने सभी जरूरी ड्यूज अदा कर दिये थे। आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर 2013 में हुई उनकी सेवानिवृत्ति के बाद, बुच ने कोई वेतन या ई.एस.ओ.पी. नहीं लिया, उद्योग क्षेत्र के नियमों के अनुसार केवल मान्य सेवानिवृत्ति लाभ ही लिये थे।

बुच ने 12 साल तक आई.सी.आई.सी.आई को अपनी सेवाएं दीं। इनमें से दो वर्ष वे आई.सी.आई.सी.आई. सिक्यूरिटीज की सी.ई.ओ. रहीं।

बुच के खिलाफ तीसरा मोर्चा उस समय खोला गया, जब सेबी के कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को पत्र भेजकर, उन पर, उनके नेतृत्व में जहरीली कार्य-संस्कृति का आरोप लगाया।

इन शिकायतों से सेबी तथा राजनैतिक हल्कों में चिन्ता पैदा हो गई थी। कर्मचारियों ने नेतृत्व पर कर्मचारियों से गाली-गलोच करने तथा डांटने-फटकारने का आरोप लगाया था, जिसके चलते प्रबन्धन के बारे में कर्मचारियों को बहुत शिकायतें थी।

सरकार ने इस मामले की छान-बीन की तथा कर्मचारियों से बातचीत की। इस मुद्दे का समाधान तब हुआ, जब सेबी के शीर्ष नेतृत्व से कहा गया कि वह स्टाफ के प्रति ज्यादा संवेदनशील बने। सरकारी सूत्रों ने कहा कि यह भी सम्भव है कि यह असंतोष बुच द्वारा सेबी में किये गये सुधारों के कारण पैदा हुआ हो, क्योंकि व्यवस्था की सफाई के बुच के प्रयासों का प्रतिरोध हुआ था।

सारे बिन्दुओं पर विचार करने के बाद, सरकार ने निर्णय लिया है कि बुच अपना कार्यकाल पूरी करेंगी, जो 28 फरवरी, 2025 को समाप्त होगा।

जे.पी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण पूरी मीटिंग पटरी से उतर गई।

कल्याण बनर्जी को जे.पी.सी. चेयरमैन जगदम्बिका पाल पर काँच की बोतल फैंकने की कोशिश के आरोप पर निलम्बित कर दिया गया है।

देश के सभी सीआरपीएफ स्कूलों को बम ब्लास्ट की धमकी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। सीआरपीएफ के दिल्ली समेत देशभर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का मामला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक देश के सभी सीआरपीएफ के स्कूल्स को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला ईमेल आया है। सोमवार रात ये मेल देश के कई स्कूलों को आया। जांच के बाद स्कूलों में कुछ नहीं मिला। मेल भेजने वाले ने सुबह 11 बजे तक सभी सीआरपीएफ स्कूलों में बम से उड़ाने की धमकी दी थी। मेल भेजने वाले ने पूर्व डीएमके लीडर जफर सादिक की अरेस्ट का जिक्र किया था जिसको एनसीबी और फिर ईडी ने अरेस्ट किया था। दिल्ली के

- **सोमवार की रात देश के कई स्कूलों में यह ईमेल आया था, स्कूलों में सुरक्षा बढी।**
- **मेल में मंगलवार को सुबह 11 बजे तक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी थी। जांच में यह धमकी अफवाह निकली।**

जिन दो सीआरपीएफ स्कूलों को बम ले उड़ाने की धमकी मिली थी उनमें से एक रोहिणी और एक द्वारका में है। इस मेल का रोहिणी के प्रशांत विहार में हुए धमाके से कोई लिंक नही है। सूत्रों के मुताबिक, यह धमकी सोमवार देर रात इन स्कूलों के प्रबंधन को भेजे गए एक ईमेल के जरिए दी गई। सीआरपीएफ ने इस धमकी के बाद अपने सभी स्कूलों को अलर्ट पर रहने के लिए बोला है। दिल्ली पुलिस ने भी सीआरपीएफ स्कूलों के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चार अक्टूबर को बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली थी। इससे परिसरों में दहशत फैल गयी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बसवनगुड़ी में बेंगलुरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और सदाशिवनगर में एमएस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को दोपहर करीब 1 बजे ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि इससे एक दिन पहले नौ शैक्षिणक संस्थानों को एक ईमेल मिला था जिसमें दावा किया गया था कि उनके परिसरों में बम लगाए गए हैं और तलाशी के बाद यह धमकी अफवाह निकली।

केन्द्रीय गृह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में सी.आर.पी.एफ. ने उसे सेवा में बहाल तो कर दिया, लेकिन उसे सेवा परिलाभ नहीं दिए। सी.आर.पी.एफ. का यह कृत्य अदालती आदेश की अवमानना की श्रेणी में आता है।

ऐसे में उसे सेवा परिलाभ दिलाए जाएं और दोषी अवमाननाकर्ता अफसरों पर कार्रवाई की जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बजरंग पूनिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को एकजुट करेंगे और किसानों के संघर्ष के लिए यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कई गैर राजनैतिक किसान संगठन हैं। देश की कुल आबादी के 52 प्रतिशत किसान हैं और अगर भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन भी गया तो भी इससे किसानों को लाभ नहीं होगा।

सांसद नारायण राणे के पुत्र भाजपा छोड़ शिन्दे के साथ जायेंगे

मुंबई, 22 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं। महायुति और महा विकास अघाड़ी, दोनों गठबंधन जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने जा रहे हैं। हालांकि, चुनाव से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी के सांसद नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि वह भाजपा छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने जा रहे हैं।

नीलेश राणे ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी कि वे एकनाथ

- **कहते हैं कि कुदाल विधानसभा सीट बंटवारे में शिवसेना (शिन्दे) को मिलेगी। इस सीट से चुनाव लड़ने के लिये नारायण राणे के पुत्र नीलेश राणे शिवसेना (शिन्दे) में शामिल होंगे।**

शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे। नीलेश ने बताया है कि वे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कुदाल सीट से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, महायुति गठबंधन में हुए सीट बंटवारे के तहत, कुदाल सीट शिवसेना के खाते में जाएगी। यही कारण है कि नीलेश भाजपा से शिवसेना में शामिल होंगे। महाराष्ट्र की कुदाल विधानसभा सीट रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र के तहत आती है। इस सीट से वर्तमान में भाजपा के नारायण राणे सांसद हैं। कुदाल से सटी हुई कंकावली विधानसभा सीट है जहां से नीलेश राणे के छोटे भाई और भाजपा नेता नीतेश राणे विधायक हैं। कुदाल विधानसभा सीट से शिवसेना (यूबीटी) के नेता वैभव नायक वर्तमान में विधायक हैं।

नीलेश राणे पहले कांग्रेस में थे। उन्होंने साल 2009 में रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से लोकसभा का चुनाव जीता था। इसके बाद 2014 में वे भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके कुछ समय बाद, नीलेश राणे ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेन्द्र फड़णवीस ने उनसे मुलाकात की थी और इसके बाद नीलेश राणे ने पार्टी के लिए काम करना जारी रखने की बात कही थी।

इंडिगो-विस्तारा और एयर इंडिया की 30 फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। सोमवार रात को भी इंडिगो, विस्तारा, अकासा और एयर इंडिया की 35 फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, और मंगलवार को भारतीय एयरलाइन्स द्वारा संचालित 30 डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली। मामले से जुड़े सूत्रों ने एजेंसी को बताया कि बम से उड़ाने की धमकी पाने वालों में इंडिगो, विस्तारा, अकासा और एयर इंडिया की उड़ानें शामिल हैं। बता दें कि पिछले 8 दिन में अब तक 120 से

- **गत आठ दिन में 120 से अधिक विमानों को बम हमले की धमकी मिली है ।**

ज्यादा विमानों को बम हमले की धमकी मिल चुकी है।

विस्तारा के प्रवक्ता ने कहा, हम पुष्टि करते हैं कि 21 अक्टूबर 2024 को संचालित होने वाली विस्तारा की कुछ उड़ानों को सोशल मीडिया पर सुरक्षा संबंधी धमकियां मिली हैं। हमने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सतर्क कर दिया है और उनके द्वारा बताए गए सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं। विस्तारा में, हमारे ग्राहकों, चालक दल और विमान की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।"

वहीं, एक एयर इंडिया के प्रवक्ता ने भी इस बात की पुष्टि की कि सोमवार को उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की कुछ उड़ानों को धमकी मिली थी। निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क किया गया और नियामक अधिकारियों तथा सुरक्षा एजेंसियों के मार्गदर्शन के अनुसार सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया गया। पिछले एक हफ्ते में भारतीय विमानन कंपनियों की 120 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908